

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2014-15

प्रथम प्रश्न-पत्र – सैद्धांतिक

201- संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धांत

पूर्णांक-85

आ.मू.-15

इकाई – 1

निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –

देवगिरि बिलावल, मारु बिहाग, सूरमलहार, नायकी कान्हाड़ा, झिंझोटी।

इकाई – 2

अ- निम्नलिखित तालों के ठेके- टाह के साथ आड़, कुआड़, बिआड़ में लिखना। चौताल, तिलवाड़ा, दीपचन्दी।

ब- पाठ्यक्रम के रागों की विलम्बित एवं द्रुत बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास। आलाप, तान-तोड़ों सहित।

इकाई – 3

निम्नांकित का अध्ययन –

मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, डायटोनिक स्केल, क्रोमेटिक स्केल, समविभागीय स्वर सप्तक।

इकाई – 4

राग वर्गीकरण- थाट राग, राग-रागांग वर्गीकरण।

इकाई – 5

गायन हेतु- दिये गये पदों को उचित राग एवं ताल में निबद्ध करना।

वादन हेतु- मिजराब के बोलों पर पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में रचना करना।

88

FOR COLLEGE ONLY

S. 470

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर 2014-15

M-15

M-16

M-17

द्वितीय प्रश्न-पत्र – सैद्धांतिक

202— भारतीय संगीत का इतिहास

पूर्णांक-85

आ.मू. 15

इकाई – 1

भरत एवं शारंगदेव कालीन संगीत – स्वर श्रुति सारणा।

इकाई – 2

खण्डमेरु, स्वर प्रस्तार, नश्टोदिष्ट प्रकरण।

इकाई –3

संगीत का मध्ययुग – मानसिंह तोमर एवं तानसेन कालीन संगीत।

इकाई –4

निम्नलिखित ग्रंथकारों का उनके ग्रंथों के सहित विशेष अध्ययन—  
व्यंकटमखी, भातखण्डे, पलुस्कर

इकाई –5

संगीत के घरानों की ऐतिहासिक जानकारी एवं निम्न घरानों का  
विशेष अध्ययन –

गवालियर, किराना, जयपुर, आगरा, सोनिया, इमदाद खाँ घराना।

*Jri*